



## दैनिक संपादकीय विश्लेषण

### विषय

---

भारत में पर्यटन रणनीति को स्थायी  
चुनौतियों के बीच सुधारना

---

## भारत में पर्यटन रणनीति को स्थायी चुनौतियों के बीच सुधारना

### संदर्भ

- भारत का आगांतुक पर्यटन धीरे-धीरे पुनः उभर रहा है लेकिन अभी भी 2019 के महामारी-पूर्व शिखर 10.93 मिलियन से नीचे है। यह वैश्विक यात्रा संकोच से लेकर घरेलू अवसंरचनात्मक और पर्यावरणीय बाधाओं तक की स्थायी चुनौतियों को उजागर करता है।

### भारत के पर्यटन क्षेत्र के बारे में

- पर्यटन मंत्रालय के अनुसार, 2024 में विदेशी पर्यटक आगमन 9.95 मिलियन तक पहुँचा, जो अभी भी 2019 के महामारी-पूर्व शिखर से कम है।
  - 2025 में अगस्त तक 5.6 मिलियन पर्यटक आए, जबकि विगत वर्ष इसी अवधि में यह संख्या 6.3 मिलियन थी।
- भारत का पर्यटन बाजार FY2027 तक 125 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है और 2034 तक भारत के GDP में \$523.6 अरब का योगदान करने का अनुमान है।
  - अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन 2028 तक 30.5 मिलियन तक पहुँचने की संभावना है।
- भारत 2024 में WEF के ट्रैवल एंड टूरिज्म डेवलपमेंट इंडेक्स में 39वें स्थान पर है, प्राकृतिक और सांस्कृतिक संसाधनों में उत्कृष्टता प्राप्त करते हुए।
  - विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (WTTC) का अनुमान है कि 2035 तक भारत का यात्रा और पर्यटन क्षेत्र GDP में ₹42 ट्रिलियन का योगदान कर सकता है तथा 64 मिलियन रोजगारों का समर्थन कर सकता है।
- यह क्षेत्र की दीर्घकालिक क्षमता को आर्थिक विकास और रोजगार के चालक के रूप में रेखांकित करता है, बशर्ते नीतियाँ और अवसंरचना सुधार गति बनाए रखें।
- आर्थिक इंजन के रूप में पर्यटन:पर्यटन समर्थन करता है:
  - कुशल और अकुशल क्षेत्रों में रोजगार।
  - परिवहन, खाद्य, हस्तशिल्प और आतिथ्य में MSMEs।
  - सांस्कृतिक संरक्षण को आर्थिक मूल्य देकरा।
  - सॉफ्ट पावर, जिससे दुनिया भारत को देखती है।

### भारत के पर्यटन क्षेत्र से जुड़ी चिंताएँ और मुद्दे

- बजट सीमाएँ और प्रचार कटौती:
  - केंद्रीय बजट 2025–26 ने कुल पर्यटन आवंटन ₹2,541 करोड़ पर बनाए रखा, लेकिन विदेशी प्रचार और जनसंपर्क के लिए धनराशि ₹33 करोड़ से घटाकर केवल ₹3.07 करोड़ कर दी गई।
  - यह तीव्र कटौती भारत की प्रमुख बाजारों में दृश्यता को कमजोर कर सकती है, विशेषकर जब अन्य देश महामारी-उपरांत गंतव्य ब्रांडिंग में भारी निवेश कर रहे हैं।
- कम आगमन के बावजूद व्यय में वृद्धि:
  - WTTC का अनुमान है कि 2024 में भारत में अंतरराष्ट्रीय पर्यटक व्यय ₹3.1 ट्रिलियन था।
  - भारत उच्च-मूल्य वाले यात्रियों को आकर्षित कर रहा है, जबकि आगांतुकों की संख्या महामारी-पूर्व स्तर से नीचे बनी हुई है।

- स्थायी संरचनात्मक बाधाएँ:** भारतीय टूर ऑपरेटर्स संघ (IATO) के अनुसार, भारत की मांग को पकड़ने की क्षमता बाधाओं से सीमित है, जबकि उत्तरी अमेरिका, यूरोप और पश्चिम एशिया से बढ़ती रुचि एवं MICE तथा वेलनेस पर्यटन में वृद्धि हो रही है। इसमें शामिल हैं:
  - धीमी ई-वीजा प्रक्रिया और सीमित वीजा-ऑन-अराइवल पहुँच।
  - प्रमुख स्रोत बाजारों से खराब हवाई संपर्क।
  - अंतिम-मील कनेक्टिविटी, स्वच्छता और गुणवत्तापूर्ण आवास सहित अवसंरचना अंतराल।
  - अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए कमजोर बहुभाषी समर्थन।
- खंडित प्रचार:** भारत में एकीकृत वैश्विक ब्रांडिंग रणनीति का अभाव है। कई एजेंसियाँ अलग-अलग कार्य करती हैं, जिससे प्रचार प्रयासों का प्रभाव कम हो जाता है।
- क्षेत्रीय एकाग्रता और असमान वृद्धि:** भारत में पर्यटन कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक केंद्रित है। 2024 में आगमन का वितरण:
  - उत्तर क्षेत्र (35.62%)
  - दक्षिण क्षेत्र (26.27%)
  - पश्चिम और मध्य (19.94%)
  - पूर्व (16.60%)
  - उत्तर-पूर्व (1.58%) यह बेहतर वितरण की आवश्यकता को उजागर करता है।
- तुलनात्मक उच्च व्यय और कम आगमन:** भारत, थाईलैंड, मलेशिया या यहाँ तक कि छोटे द्वीपीय राष्ट्र श्रीलंका की तुलना में प्रति वर्ष बहुत कम पर्यटकों को आकर्षित करता है, भले ही यात्रा प्रसाद का प्रीमियमकरण, घरेलू व्यय में वृद्धि और विशिष्ट पर्यटन के लक्षित प्रचार किए गए हों।

### भारत के पर्यटन क्षेत्र को समर्थन देने वाले सरकारी प्रयास और पहल

- केंद्रीय बजट 2025–26:** राज्यों के साथ साझेदारी में 'चैलेंज मोड' के माध्यम से 50 पर्यटन स्थलों का विकास, विश्वस्तरीय अवसंरचना, कनेक्टिविटी एवं आगंतुक अनुभव सुनिश्चित करना।
- देखो अपना देश:** घरेलू पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए कम ज्ञात स्थलों को बढ़ावा देना और भारत की सांस्कृतिक विरासत पर गर्व को बढ़ावा देना।
- स्वदेश दर्शन 2.0:** सतत और थीम-आधारित पर्यटन सर्किट जैसे आध्यात्मिक, विरासत और इको-टूरिज्म पर ध्यान केंद्रित करना।
  - थीम्स: बौद्ध, तटीय, रेगिस्तान, इको, विरासत, हिमालयी और बन्यजीव सर्किट।
  - इसमें गाँव पर्यटन विकास कार्यक्रम भी शामिल है, जिसका उद्देश्य होमस्टे एवं स्थानीय अनुभवों को बढ़ावा देना है।
- PRASHAD योजना:** तीर्थ स्थलों के समग्र विकास पर केंद्रित, आध्यात्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना।
- अतुल्य भारत पर्यटक सुविधाकर्ता प्रमाणन (HTFC):** पेशेवर पर्यटक सुविधाकर्ताओं को प्रशिक्षित और प्रमाणित करने के लिए डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म।
- सेवा प्रदाताओं के लिए क्षमता निर्माण (CBSP):** पर्यटन सेवा प्रदाताओं जैसे गाइड, ड्राइवर और आतिथ्य कर्मचारियों के कौशल को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम।

- **चिकित्सा और वेलनेस पर्यटन:** 'हील इन इंडिया' पहल के अंतर्गत प्रोत्साहित, जिसमें सुव्यवस्थित वीज्ञा प्रक्रियाएँ और निजी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के साथ साझेदारी शामिल है।
- **अतुल्य भारत 2.0 अभियान:** डिजिटल मार्केटिंग और ब्रांड निर्माण के साथ भारत की वैश्विक छवि को नया रूप दिया।
  - इमर्सिव तकनीकों (AR/VR) का उपयोग।
  - प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए अनुकूलित अभियान।
- **एक विरासत परियोजना को अपनाएँ:** पर्यटन मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय और ASI के बीच साझेदारी, विरासत स्थलों के रखरखाव में सार्वजनिक-निजी सहयोग।
  - कॉर्पोरेट संस्थाएँ स्मारकों को अपनाकर सुविधाओं और व्याख्या केंद्रों को बढ़ाती हैं।
- **MICE पर्यटन प्रचार:** भारत MICE पर्यटन को उच्च-मूल्य वाले क्षेत्र के रूप में बढ़ावा देता है।
  - प्रमुख शहरों में सम्मेलन सुविधाओं को प्रदर्शित करने के लिए भारत MICE डिजिटल कैटलॉग का निर्माण।
  - FICCI और राज्य पर्यटन विभागों के साथ सहयोग।
- **हॉस्पिटैलिटी उद्योग का राष्ट्रीय एकीकृत डेटाबेस (NIDHI):** आतिथ्य इकाइयों को पंजीकृत करने वाला डिजिटल प्लेटफॉर्म, व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देना।
  - 45,000 से अधिक होटल पंजीकृत।
  - स्वच्छता और सुरक्षा प्रमाणन के लिए SAATHI पहल के साथ एकीकृत।

### आगे की राह: बेहतर वापसी के लिए रणनीतिक प्राथमिकताएँ

- व्यापक, सतत विकास प्राप्त करने के लिए भारत को निर्णायक रूप से कार्य करना होगा:
  - 'अतुल्य भारत' को आधुनिक, डिजिटल-प्रथम वैश्विक अभियानों के साथ पुनर्जीवित करना, विशेषकर अमेरिका, यूरोप और पूर्वी एशिया के बाजारों के लिए।
  - ई-वीज्ञा पहुँच को सरल और विस्तारित करना ताकि अधिक यात्रियों को आकर्षित किया जा सके।
  - कोच्चि, गोवा, जयपुर और गुवाहाटी जैसे टियर-II शहरों के लिए हवाई संपर्क को बढ़ाना।
  - संस्कृति, वेलनेस और आध्यात्मिकता को मिलाकर एकीकृत सर्किट को बढ़ावा देना ताकि प्रति-पर्यटक व्यय बढ़ सके।
  - स्वच्छता, पहुँच और आतिथ्य प्रशिक्षण में निवेश करना ताकि आगंतुक अनुभव को ऊँचा किया जा सके।
  - गुणवत्तापूर्ण अवसंरचना और सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPPs) को सुदृढ़ करना।

Source: BS

### दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

**प्रश्न:** भारत के पर्यटन क्षेत्र की वृद्धि में बाधा डालने वाली प्रमुख चुनौतियों की जाँच करें और ऐसी रणनीतिक सुधारों का प्रस्ताव रखें जो इसकी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ा सकें।

